

## वाक्य-शुद्धीकरण

जब किसी वाक्य में व्याकरणिक नियमों का गलत प्रयोग कर दिया जाता है, तो उससे वाक्य में जो अशुद्धि हो जाती है, उस अशुद्धि को दूर करने के लिए जिन नियमों का प्रयोग किया जाता है, उसे वाक्य शुद्धीकरण कहते हैं।

वाक्य अशुद्धि के मुख्य कारण -

- ① → पदक्रम सम्बन्धी अशुद्धि
- ② → पद सम्बन्धी अशुद्धि

① पद क्रम सम्बन्धी अशुद्धि -

(i) पदों का क्रम -

कर्ता का विस्तारक + कर्ता, कर्म का विस्तारक + कर्म, क्रिया का विस्तारक + क्रिया, पूरक का विस्तारक + पूरक.

मेरा मित्र रमेश धार्मिक पुस्तक बहुत लिखता है।

कर्ता का विस्तारक    कर्ता    कर्म का विस्तारक    कर्म    क्रिया का विस्तारक    क्रिया

जयपुर का हवामहल दर्शनीय स्थल है।

कुत्ता का <sup>ऊँ</sup>कूना <sup>ऊँ</sup>पूरक का पूरक  
 विस्तारक विस्तारक

जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग अत्यंत दर्शनीय स्थल है।

कुत्ता का <sup>ऊँ</sup>विस्तारक <sup>ऊँ</sup>कूना <sup>ऊँ</sup>पूरक का <sup>ऊँ</sup>विस्तारक पूरक



**नियम-(ii)** यदि किसी वाक्य में सम्बोधन सूचक शब्द प्रयुक्त हों तो उन्हें सबसे पहले उन्हीं का प्रयोग किया जाता है।

**जैसे-** ओ रे ! तुम कुब आर ? हे भगवान ! बहुत बुरा हुआ।  
ओ भाई ! जरा देखकर चलो। क्या ! यह कैसे हुआ ?

### नियम (iii)

जब किसी वाक्य में क्रिया के साथ दो कर्म प्रयुक्त हों तो पहले प्रयुक्त कर्म सजीव, परसर्ग सहित और गौण कर्म होता है तथा बाद में प्रयुक्त कर्म निजीवि, परसर्ग सहित और मुख्य कर्म होता है।

जैसे- अजय विजय को पत्र लिखता है।

↓	↓	↓	→ निजीवि
सजीव	परसर्ग	गौण	→ परसर्ग सहित
	सहित कर्म		→ मुख्य कर्म

**नियम (iv)** यदि किसी वाक्यमें कर्ता के साथ में 'परसर्ग' जुड़ा हो और कर्म विभक्ति रहित हो तो वहाँ तीन बातें निश्चित हो जाती हैं।

(i) क्रिया सकर्मक (ii) क्रिया भूतकालिक (iii) कर्तृ वाच्य

मोहन ने पत्र पढ़ा। सीमा ने खाना पकाया।

कर्तृ  
वाच्य
 

 कर्म
 

 भूतकालिक
 

 कर्तृ  
वाच्य
 

 सकर्मक
 

 भूतकालिक क्रिया







नियम-(vi) यदि किसी वाक्य का जवाब 'हाँ / नहीं' में देना हो,  
तो उस वाक्य की शुरुआत 'क्या' से की जाती है।

जैसे- क्या आपने खाना खाया? क्या आपने पुस्तक पढ़ी?  
क्या आप जयपुर गए? क्या आप दिल्ली चलोगे?